



वी. चेट्टियार

कार्यकारी संपादक
8898800908

हिन्दी साप्ताहिक

RNI No.: MAHHIN/2023/89178

एकता केसरी™

EKTA KESARI

Issue: 2 • Volume: 20 • Hindi Weekly • Mumbai, Friday 13 to 19 June 2025 • Price 5/- • Page 8

CM फडणवीस के बयान से सियासी हलचल तेज, महाराष्ट्र निकाय चुनाव में होगी 'फ्रेंडली फाइट'

अकोला: महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। इस बार मुद्दा है स्थानीय निकाय चुनाव और उसमें भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस का 'फ्रेंडली फाइट' वाला बयान। अकोला में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने साफ कहा कि हम महायुति के तौर पर चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन जहां गठबंधन संभव नहीं होगा वहां 'फ्रेंडली फाइट' होगी। हालांकि यह शब्द जितना सौम्य दिखता है, इसके मायने उतने ही सख्त माने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री



फडणवीस ने विकास संवाद सम्मेलन में स्पष्ट किया कि अमरावती हवाई अड्डा शुरू होने के बाद अब अकोला से विमान सेवा अवश्य प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि अकोला से विमान नहीं उड़ेंगे। लेकिन मैं आपको आश्वासन करता हूँ कि अकोला से विमान जरूर उड़ेंगे और यहां की हवाई सेवा शीघ्र शुरू होगी। सीएम फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। विदर्भ के सिंचाई

अनुशेष को दूर करने हेतु नलगंगा और पैनगंगा परियोजनाएं शुरू की गई हैं। जिससे पश्चिम विदर्भ की लाखों हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। किसानों को आधुनिक खेती अपनाने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा ताकि उत्पादन में वृद्धि हो सके। जहां गठबंधन नहीं, वहां 'फ्रेंडली फाइट' इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री सीएम फडणवीस ने कहा कि भाजपा नीत महायुति गठबंधन राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा **शेष पृष्ठ २ पर**

देवनार मंडई से 12 लाख रुपए चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई - देवनार पुलिस ने 24 घंटे के अंदर 12 लाख रुपए की चोरी का मामला उजागर किया है। 7 जून को शिकायतकर्ता ने देवनार बूचड़खाने में बकरे बेचकर एकत्र की गई 11 लाख 70 हजार रुपए की नकदी एक बोरी में रखी थी। हालांकि रकम चोरी होने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश कर गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में शिकायतकर्ता के तहरीर पर देवनार पुलिस स्टेशन में धारा 303 (2) बी.एन.एस. के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया था। इस अपराध की जांच के लिए पुलिस



स्टेशन के अपराध क्राइम प्रकटीकरण के अधिकारी मोकाटे और उनकी टीम ने तलाश शुरू की। टीम ने गुप्त मुखबिरो और तकनीकी कौशल का उपयोग करते हुए अपराध के आरोपी अरफात मोहम्मद खलुद कुरैशी (रिक्शा चालक, कसाईवाड़ा, कुर्ला) को 24 घंटे के

अंदर चिंचवड़ रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से कुल 9,10,800 रुपये नगदी और 2 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। यह कार्यवाही पुलिस उपायुक्त परिमंडल 6 के समीर शेख, सहायक पुलिस आयुक्त (देवनार विभाग) आबुराव सोनवणे, देवनार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बासित अली सय्यद, पुलिस निरीक्षक (अपराध) विजयकुमार अंबरगे, अपराध जांच दल अधिकारी राहुल मोकाटे, अधिकारी अनिल महारनूर, अमलदार विनायक तांदले, सुनील सोनवणे, संदीप मोहिते ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

'आखिरी' लड़ाई के लिए यूबीटी ने कसी कमर, उद्भव के स्पेशल 12! मुंबई पर टिकी ठाकरे की उम्मीदें



मुंबई: अक्टूबर 2025 में संभावित मुंबई महानगरपालिका (मनपा) सहित महाराष्ट्र के अन्य निकाय चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है। इसके लिए बीजेपी सहित सभी राजनीतिक दल अपने स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। लेकिन सभी की निगाहें मुंबई पर टिकी हैं। क्योंकि स्थानीय निकाय **शेष पृष्ठ २ पर**

क्या प्रशासन शिवडी ग्रांट डिपो क्षेत्र में गैस सिलेंडर रखने के लिए अवैध रूप से गोदाम बनाने वाले अंकुल.भारत. गैस वितरक के खिलाफ कार्रवाई करेगा?

मुंबई पिछले कुछ महीनों में, जबकि मुंबई क्षेत्र में गैस सिलेंडर से होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है, उदाहरण के लिए, धारावी बस डिपो के पास एक अवैध गैस सिलेंडर गोदाम में बनाए गए एक भारी वाहन में विस्फोट से सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान हुआ, प्रशासन और कंपनी ने इस घटना पर कोई ध्यान नहीं दिया।



मुंबई क्षेत्र में निवारक उपाय के रूप में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसका कारण यह है कि अंकुल.भारत. गैस वितरक ने स्थानीय पुलिस प्रशासन और भारत पेट्रोलियम कंपनी को गुमराह करके शिवडी ग्रांट डिपो क्षेत्र में अवैध रूप से गैस सिलेंडर गोदाम स्थापित किया है। वे प्रशासन के किसी भी विभाग से अनुमति लिए बिना या

किसी भी तरह के सुरक्षा उपाय किए बिना उपरोक्त व्यवसाय कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस कारण से, भविष्य में कोई भी दुर्घटना होने पर पास के ईस्ट फ्री रोड को भी नुकसान होगा। अटल सेतु, सड़कें और पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाएंगे। यात्रा कर रहे यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है।



वैवाहिक संबंधों में विश्वास का खात्मा

पति को मारकर उसके शव को नीले ड्रम में सीमेंट से ढकने वाली मेरठ की मुस्कान का केस ठंडा भी नहीं हुआ था कि इंदौर की सोनम का मामला सामने आ गया। कौन अपराधी है और कौन नहीं, अदालत किसे कितनी सजा देगी, यह वक्त बताएगा, लेकिन यह सोचकर दहशत होती है कि हनीमून के लिए मेघालय गई सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को मरवा दिया।

ससुराल वालों के साथ खुश रहना, विवाह के समय नाचना-कूदना और मन में किसी और योजना का चलना। क्या सचमुच उसने राज कुशवाहा जैसे फटेहाल प्रेमी के लिए यह सब किया या किसी और के लिए? राजा की हत्या का राज खुलने के बाद कुछ लोग एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देकर कह रहे हैं कि 90 प्रतिशत से अधिक अपराध पुरुष करते हैं और स्त्रियां तो मात्र छह-आठ प्रतिशत ही ऐसा करती हैं। क्या यह कहा जा रहा है कि जब तक 92-94 प्रतिशत स्त्रियां भी अपराध न करने लगे, तब तक इन घटनाओं की अनदेखी की जाए?

अपराध को अपराध की तरह देखना चाहिए। स्त्री-पुरुष नहीं करना चाहिए। इसीलिए लंबे अर्से से मांग हो रही है कि स्त्रियों संबंधी कानूनों को लैंगिक भेद से मुक्त किया जाए। स्त्री या पुरुष, जो भी अपराधी हो, उसे सजा मिले। कई महिलाएं टीवी डिबेट्स में कह रही हैं कि सोनम का मीडिया ट्रायल किया जा रहा है, जबकि वह राजा के घर वालों से बात कर रहा है तो सोनम और राज कुशवाहा के घर वालों से भी।

जब किसी पुरुष के आरोपित बनते ही उसके परिवार वालों को रात-दिन दिखाया जाता है, तब ऐसे विचार क्यों प्रस्फुटित नहीं होते? दुष्कर्म के मामलों में महिलाओं के तो नाम बताना, चित्र दिखाना अपराध है, लेकिन पुरुषों के चित्र हर वक्त दिखाए जाते हैं। अगर वे निर्दोष साबित हो जाते हैं तो क्या उनकी और उनके परिवार की खोई प्रतिष्ठा वापस मिलती है? अनेक बार तो नौकरी तक चली जाती है। इस प्रसंग में 1988 का चर्चित इंदु अरोड़ा-अजीत सेठ कांड याद आता है। हरीश से विवाहित इंदु के अजीत से संबंध थे। उन्हें लगता था कि उनके संबंधों में इंदु के दो छोटे बच्चे रोड़ा बन रहे हैं। दोनों ने मिलकर बच्चों पर मिट्टी का तेल छिड़का और आग लगा दी। उस समय इस घटना पर भी लोगों में काफी आक्रोश जागा। जब उन्हें जेल भेजा गया तो वहां कैदियों ने उनकी पिटाई की।

मेघालय की घटना से राजा रघुवंशी और सोनम के साथ उन चार लड़कों के परिवार भी तबाह हुए, जिन्हें हत्या के आरोप में पकड़ा गया है। जो किसी अपराध को अंजाम देते हैं, उन्हें यह क्यों नहीं लगता कि वे पकड़े भी जाएंगे या यह सोचते हैं कि कुछ भी करके बच निकलेंगे? पुरुषों के अधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था एकम न्याय फाउंडेशन की दीपिका भारद्वाज ने दो फिल्में बनाई हैं-मार्टरस आफ मैरिज और इंडियाज संस।

वह पुरुष आयोग बनाने की मांग करती रही हैं। उन्होंने पत्नियों द्वारा पति की हत्या और पुरुषों की आत्महत्या के मामलों का अध्ययन किया था। इसके अनुसार देश भर में जनवरी 2023 से लेकर दिसंबर तक 306 पतियों और कई मामलों में उनके परिवार वालों की हत्या पत्नियों द्वारा की गई। इनमें से कुछ हत्याओं को आत्महत्या बताने की कोशिश की गई। एक तरफ महिलाओं के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सशक्त हो रही हैं, लेकिन दूसरी तरफ जैसे ही कोई स्त्री अपराध करती है, उसके बचाव में कहा जाने लगता है कि वह तो ऐसा कर ही नहीं सकती। क्यों नहीं कर सकती? आखिर वे स्त्रियां कौन हैं, जो जघन्य अपराध कर रही हैं? कई बार सोचती हूं कि किसी अपराध को साबित करने के लिए पुलिस के सामने भी कितनी चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रहित पर राजनीति का रवैया; कांग्रेस को थरूर, खुशीद, कनिमोरी और ओवैसी से सीखना चाहिए राष्ट्रहित

आपारेशन सिंदूर की सफलता के बाद वैश्विक मंचों पर अपना पक्ष रखने लिए मोदी सरकार ने सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को अलग-अलग देशों में भेजने की जो पहल की, वह अपने मूल उद्देश्य से भी कहीं अधिक सफल साबित हुई है। इन प्रतिनिधिमंडलों में गए सदस्यों ने न केवल पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि आंतरिक स्तर पर कुछ विवादों-विभाजनों के बावजूद भारत मूल रूप से एक है। इन प्रतिनिधिमंडलों ने भारत की समावेशी संस्कृति का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसकी सबसे प्रभावी अभिव्यक्ति तब देखने को मिली, जब द्रमुक सांसद असहज करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने जिस सहजता से इसका जवाब दिया कि 'विविधता में एकता' ही भारत की राष्ट्रीय भाषा है, उससे स्वाभाविक है कि किसी खास मंशा से ऐसा सवाल पूछने वाली की बोलती बंद हो गई। उल्लेखनीय है कि कनिमोरी उस तमिलनाडु राज्य से आती हैं, जहां भाषा विशेषकर हिंदी को लेकर अक्सर विवाद छेड़ दिया जाता है। यहां तक कि उनकी पार्टी अपने संस्थापक अन्नादुरई के दौर से तमिलनाडु पर 'हिंदी थोपने' का शोर मचाती रही है। यह सिलसिला जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी की सरकारों तक कायम है। कनिमोरी ने भाषा को लेकर अपने जवाब से यही रेखांकित किया कि

किसी भी सूरत में राष्ट्रहित ही सर्वोपरि होना चाहिए। यह बात अलग है कि जब स्पेन की धरती पर वह भारत की धाक जमा रही थीं तो उसी दौरान उनकी पार्टी के सहयोगी और प्रख्यात अभिनेता-फिल्मकार कमल हासन कन्नड़ भाषा को कमतर बताने और तमिल की श्रेष्ठता जताने का शिगूफा छेड़कर नया विवाद खड़ा करने में लगे थे। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी इस मोर्चे पर सराहनीय काम किया। इसमें कांग्रेस के भी कुछ सांसद खास तौर पर शामिल हैं। अपने नेता राहुल गांधी के निरंतर शिकायती लहजे और सामान्य तौर पर नकारात्मक रवैये के बावजूद कांग्रेस सांसदों ने यही दर्शाया कि भारत राजनीतिक रूप से भी पूरी तरह से एकजुट है। कांग्रेस के ऐसे सांसदों में शशि थरूर की खूब सराहना हुई। विषय के प्रति अपने विशद ज्ञान एवं उत्कृष्ट संवाद शैली के जरिये उन्होंने अनुकरणीय रूप से भारत का पक्ष रखा। दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल भेजने संबंधी पहल को लेकर थरूर ने मोदी सरकार को भी सराहा। उन्होंने कहा कि जब भी राष्ट्र संकट में हो तो सभी नागरिकों का दायित्व है कि कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। राजनीति को इससे अलग रखा जाना चाहिए। उनके अनुसार अमेरिका और मध्य अमेरिकी देशों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए उनका चयन उनके लिए गर्व की अनुभूति कराने वाला रहा। पूर्व विदेश मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुशीद ने

भी अपने दायित्व को बखूबी निभाया। उन्होंने आपारेशन सिंदूर की सराहना करते हुए सैन्य बलों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ संवाद-सहयोग के चाहे जो प्रयास किए जाएं, लेकिन इस पड़ोसी देश की उन्हें लेकर एक ही प्रतिक्रिया होती है और वह है आतंकवाद। आपारेशन सिंदूर की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों और यहां तक कि अपनी पार्टी के कुछ नेताओं को भी खुशीद ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने संबंधी मोदी सरकार के फैसले का पुरजोर समर्थन किया। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उन्हें निशाना बनाया, जिसकी पीड़ा उन्होंने यह कहकर व्यक्त की कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है। थरूर और खुशीद के अलावा आनंद शर्मा कांग्रेस के एक अन्य बड़े नेता रहे, जिन्होंने प्रतिनिधिमंडल संबंधी कवायद को सराहा। आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की भूमिका को दुनिया के सामने उजागर करने के मोदी सरकार के इस प्रयास को उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बताया। मनीष तिवारी का नाम भी उन नेताओं में जुड़ गया जिन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति कोई भी जिम्मेदारी हर चीज से ऊपर है। पहलगाम हमले के बाद से लेकर प्रतिनिधिमंडल में भागीदारी तक एआईएमआइएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी का भी एक प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में उभार देखने को मिला। उन्होंने बहुत बेबाकी से यह

बात रखी कि पाकिस्तान की आतंकपरस्त नीतियों की भारत किस तरह कीमत चुका रहा है। उन्होंने अपनी विशेष भाषा-शैली और उदाहरणों के जरिये दुनिया का ध्यान इस समस्या की ओर खींचा। उन्हें सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे उन मुस्लिम देशों में गए प्रतिनिधिमंडल के साथ भेजा गया था, जहां पाकिस्तान अक्सर मजहबी दुहाई देता रहता है। उनके प्रतिनिधिमंडल ने मुखरता से इस पहलू को रेखांकित किया कि पाकिस्तानी आतंकवादी अपनी गतिविधियों से भारत के बहुलतावादी, उदार एवं लोकतांत्रिक समाज के तानेबाने को छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। विभिन्न दलों के सांसदों एवं विशेषज्ञों को दुनिया भर में भेजने के मोदी सरकार के इस प्रयास की व्यापक रूप से प्रशंसा की जानी चाहिए। इस संदर्भ में कनिमोरी के भारत की भाषा संबंधी बयान की बात करें तो यह केवल देश की भाषाई विविधता से ही नहीं जुड़ा था। ध्यान रहे कि भारत की सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक एवं भाषाई विविधता वास्तव में बेजोड़ है।

भारत दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश ही नहीं, बल्कि सर्वाधिक विविधतापूर्ण एवं सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र भी है। हमारे संविधान में धार्मिक, भाषाई एवं अन्य अल्पसंख्यकों के लिए जिस प्रकार के अधिकार प्रदान किए गए हैं, उनकी दुनिया में कोई और मिसाल नहीं मिलती।

पृष्ठ 1 का शेष

CM फडणवीस के बयान

लेकिन जहां गठबंधन नहीं हो पाएगा वहां दोस्ताना मुकाबला होगा। मुंबई के बीएमसी सहित विभिन्न नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव पिछले 3 वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी की चुनाव समिति स्थानीय निकाय चुनावों से संबंधित निर्णय लेने के लिए अधिकृत हैं। हमने गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। अजीत पवार के नेतृत्व वाली राका और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना गठबंधन की 2 अन्य पार्टियां हैं। राजनीति में मानवता और संवेदनशीलता जरूरी ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने विदेश गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक के दौरान सांसद सुप्रिया सुले से मिले पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा शरद पवार के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि राजनीति में मानवता और संवेदनशीलता होती है। हम वैचारिक रूप से विरोधी हैं, दुश्मन नहीं, यह मजबूत लोकतंत्र का प्रतीक है। हालांकि राजनीति बदलती रहती है लेकिन राज्य सरकार स्थिर है और महायुति के तीनों सहयोगी एक साथ रहेंगे। बाद में शहर में भाजपा द्वारा आयोजित रैली में फडणवीस ने लोगों से स्थानीय निकाय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन करने का आग्रह किया। किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी 16,000 मेगावाट बिजली और कृषि वाहिनी योजना के तहत 16,000 मेगावाट बिजली किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी जिससे रात में खेतों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। महाराष्ट्र में बहुमत से सरकार बनने के बाद प्रशासन को पहले 100 दिनों का कार्यकाल लक्ष्य के साथ दिया गया था। इसकी सफलता प्रमाणित हो चुकी है। अब आगामी 150 दिनों की कार्य योजना तैयार की गई है जिसके माध्यम से अगले एक वर्ष में राज्य के अंतिम व्यक्ति तक विकास की गंगा पहुंचेगी।

'आखिरी' लड़ाई के लिए यूबीटी ने

चुनावों में मुंबई मनपा का चुनाव सबसे अहम माना जाता है। शिवसेना के लिए करो या मरो वाली लड़ाई मुंबई मनपा देश की सबसे अमीर महानगर पालिका है। ऐसा भी माना जाता है कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर राज करनेवाली पार्टी को राज्य सहित देश की राजनीति में प्रभाव जमाने में अवसर मिलता है। पूरे देश की नजरें मुंबई मनपा चुनाव पर लगी हैं। लेकिन मुंबई पर अब तक राज करनेवाली पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लिए ये चुनाव करो या मरो वाली निर्णायक लड़ाई साबित हो सकते हैं। इसलिए उद्धव ने मुंबई मनपा चुनाव की तैयारियों के लिए अपने स्पेशल 12 सिपहसालारों की फौज को तैनात किया है। मुंबई मनपा के तीन साल से प्रतिक्षित चुनाव खासकर उद्धव के लिए यह महाराष्ट्र की राजनीति में अस्तित्व बचाए रखने का यह आखिरी मौका साबित हो सकते हैं।

क्योंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुई बगावत तथा पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह छिनने के बाद उद्धव को उम्मीद थी कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी को वोटों की सहानुभूति मिलेगी। लेकिन उद्धव की पार्टी शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था।

हालांकि इन चुनावों राज्य के वोटों ने उद्धव को निराश किया था। लेकिन मुंबई के वोटों ने उद्धव को पूरी तरह से नहीं नकारा था। इसलिए खासकर मुंबई मनपा के चुनाव से उद्धव को ठेरों उम्मीदें हैं। लेकिन उद्धव ने इस बार किसी चमत्कार का इंतजार करने की बजाय अब मुंबई मनपा चुनाव में अलग रणनीति के साथ उतरने की योजना बनाई है। आगामी मुंबई मनपा चुनाव की पृष्ठभूमि में उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) पार्टी ने मुंबई में अपने उप नेताओं को विशेष जिम्मेदारी सौंपी है।

इस्लामिक कानून अनुसार शराबबंदी और. शराब दुष्परिणामोंके वैधानिक सबुत

मुंबई प्रतिनिधी
सिराज तिसेकर
स्वस्थ जीवन शैली
शकूर तिसेकर, मेलबर्न
ऑस्ट्रेलिया

यह लेख इस्लाम में शराब के निषेध की जांच करता है, जिसमें कुरान में इसकी विस्तृत व्याख्या, पैगंबर मुहम्मद (हदीस) की शिक्षाओं और प्रथाओं के माध्यम से इसका समर्थन और इस्लामी विद्वानों की आम सहमति शामिल है। यह शराब के सेवन के हानिकारक स्वास्थ्य प्रभावों का समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाणों की भी जांच करता है, जो इस्लामी निषेधाज्ञा के महत्व को उजागर करता है।

कुरान में शराब पर क्रमिक प्रतिबंध

इस्लाम, एक संपूर्ण जीवन पद्धति के रूप में, मानवीय व्यवहार को बुद्धिमत्ता और व्यावहारिकता के साथ संबोधित करता है। शराब (खमर) का निषेध इस दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जैसा कि तीन-चरणीय प्रक्रिया से पता चलता है जिसने प्रारंभिक मुस्लिम समुदाय को इसके पूर्ण निषेध के लिए तैयार किया।

प्रारंभिक चेतावनी सूरह अल-बक्रा में है, जब लोग नशे और जुए के बारे में पूछते हैं: 'वे आपसे (हे पैगम्बर) नशे और जुए के बारे में पूछते हैं। कहिए, "दोनों ही बुरे हैं, और वे लोगों के लिए कुछ लाभ भी हैं - लेकिन नुकसान लाभ से कहीं ज्यादा है।" (कुरान, अल-बक्रा 2:219) यह आयत स्वीकार करती है कि कुछ लाभ हैं, लेकिन कहती है कि नुकसान लाभ से कहीं ज्यादा है। दूसरा चरण प्रार्थना पर प्रतिबंध लगाना था। सूरह अन-निसा में, मुसलमानों को निर्देश दिया गया था: 'इमान वाले! नशे में होने पर नमाज़ न पढ़ो जब तक कि तुम पूरी तरह से न जान लो कि तुम क्या कह रहे हो...' (कुरान, अन-निसा 4:43)। चूंकि मुसलमान दिन में पाँच बार नमाज़ पढ़ते थे, इसलिए इस नियम ने शराब के सेवन को सीमित कर दिया, जिसके लिए विश्वासियों को दिन के अधिकांश समय नशे में रहना

पड़ता था। इस आदेश ने उन्हें धीरे-धीरे शराब की लत छोड़ने में मदद की, जिससे उनके आध्यात्मिक कर्तव्यों को स्पष्ट दिमाग और स्पष्टता के साथ जोड़ा गया।

'सूरा अल-माइदा' में शराब पर व्यापक प्रतिबंध का खुलासा किया गया है

इस्लामी कानून के अनुसार शराब के निषेध और शराब के हानिकारक प्रभावों पर वैज्ञानिक प्रमाण

अस्वीकरण: यह लेख केवल शैक्षिक और सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है। अपने स्वास्थ्य से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए कृपया अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

कुरान में यह बात उतरी है, जिसमें कहा गया है: 'ऐ ईमान वालों! नशा, जुआ, मूर्तिपूजा और लॉटरी ये सब शैतान का काम है। इसलिए इनसे बचो ताकि तुम सफल हो सको। शैतान का इरादा तो बस यह है कि नशा और जुए के जरिए तुम्हारे बीच नफरत और दुश्मनी पैदा करे और तुम्हें अल्लाह की याद और नमाज़ से रोके। तो क्या तुम इससे नहीं बचोगे?' (कुरान, अल-माइदा 5:90-91)। इस आयत ने शराब को और ज्यादा हानिकारक बना दिया और इसे मूर्तिपूजा और जुए के बराबर गंभीर अपराध माना, जो इस्लाम में बड़े पाप हैं। ये आयतें शराब के कारण होने वाले सामाजिक कलह और आध्यात्मिक अलगाव पर जोर देती हैं। यह निषेध इस्लाम के समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित करता है, जिसमें व्यक्ति की भलाई सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक शुद्धता से जुड़ी हुई है

पैगंबर की शिक्षाओं (हदीस) के माध्यम से सहायता कई हदीसों कुरान में शराब के निषेध का दृढ़ता से समर्थन करती हैं, जिससे इस्लाम में इसके स्थान के बारे में कोई अस्पष्टता नहीं रह जाती।

पैगंबर मुहम्मद ने कहा: 'जो कोई इस दुनिया में नशीले पदार्थ पीता है और (मृत्यु से पहले) पश्चाताप नहीं करता, उसे परलोक में भी इसका लाभ नहीं मिलेगा।' (मिशकात अल-



मसावी 3638, पुस्तक 17, हदीस 75)। यह हदीस शराब के सेवन के आध्यात्मिक परिणामों की व्याख्या करती है, और इसे ईमानदारी से पश्चाताप के बिना अनंत अभाव से जोड़ती है। यह नशीले पदार्थों के सेवन के दीर्घकालिक परिणामों के बारे में विश्वासियों के लिए एक गंभीर चेतावनी के रूप में कार्य करता है।

इस हदीस में निषेध को और स्पष्ट किया गया है: 'कोई भी पदार्थ जो बड़ी मात्रा में सेवन करने पर नशा पैदा करता है, वह निषिद्ध है, चाहे उसकी थोड़ी मात्रा ही क्यों न हो।' (सुनन इब्न माजा 3390, पुस्तक 30, हदीस 20, अंग्रेजी अनुवाद: खंड 4, पुस्तक 30, हदीस 3390), यह कथन किसी भी तरह की खामी को दूर करता है, यह दर्शाता है कि यदि बड़ी मात्रा में सेवन करने पर नशा होता है, तो नशीले पदार्थ की थोड़ी मात्रा भी निषिद्ध है। इस प्रकार, निषेध पारंपरिक मादक पेय पदार्थों से परे किसी भी पदार्थ तक फैला हुआ है जो निर्णय या चेतना को बाधित करता है।

एक कथा आध्यात्मिक दण्ड की चेतावनी देती है:

'जो कोई शराब पीता है और नशे में धुत हो जाता है, उसकी नमाज़ चालीस दिन तक स्वीकार नहीं की जाएगी, और अगर वह मर जाता है, तो वह जहन्नम में जाएगा। लेकिन अगर वह तौबा करता है, तो अल्लाह उसकी तौबा स्वीकार करेगा...' (सुनन अबी दाऊद 3680, किताब 27, हदीस 12, अंग्रेजी अनुवाद: किताब 26, हदीस 3672)। यह हदीस नशे के कारण होने वाली आध्यात्मिक रुकावट पर जोर

देती है। यह प्रार्थना के माध्यम से अल्लाह के साथ महत्वपूर्ण संबंध के टूटने पर प्रकाश डालती है। चालीस दिन की अवधि किसी व्यक्ति के स्थान को पुनः प्राप्त करने के लिए आवश्यक आध्यात्मिक शुद्धि को संदर्भित करती है।

कुरान और हदीस के आधार पर इस्लामी विद्वानों में आम सहमति है कि इस्लाम में मादक पदार्थों का सेवन सख्त वर्जित है।

अत्यधिक शराब पीने के दुष्परिणाम: आध्यात्मिक और नैतिक पहलुओं से परे, आधुनिक वैज्ञानिक शोध में अत्यधिक शराब के सेवन से जुड़े नुकसानों का समर्थन करने वाले भारी सबूत मिले हैं, जो इस्लामी शिक्षाओं द्वारा संबोधित समग्र चिंताओं के साथ उल्लेखनीय रूप से सुसंगत है। ये खतरे विभिन्न शारीरिक प्रणालियों तक फैले हुए हैं और मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

लिवर रोग: एक खामोश हत्यारा। लगातार शराब के सेवन से लिवर की गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं, जैसे कि अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग, अल्कोहलिक हेपेटाइटिस और लिवर सिरोसिस। अल्कोहलिक सिरोसिस एक प्रगतिशील, अक्सर घातक बीमारी है, जो लिवर कोशिकाओं के विनाश और कार्य के नुकसान से चिह्नित होती है। इन बीमारियों का दुनिया भर में रुग्णता और मृत्यु दर पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

(<https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S01688278130018>

40) कैसर: कैसरजनन से सीधा संबंध, शराब को एआरसी द्वारा एस्बेस्टस और तंबाकू के साथ समूह 1 कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह शराब के सेवन और विभिन्न प्रकार के कैसर के बीच एक स्पष्ट संबंध दर्शाता है। शोध में खुराक-प्रतिक्रिया संबंध दिखाया गया है, जिसका अर्थ है कि अधिक शराब के सेवन से जोखिम बढ़ जाता है। शराब को मुंह, गले (ग्रसनी और स्वरयंत्र), ग्रासनली, यकृत, स्तन और बृहदान्न के कैसर से जोड़ा गया है। तंत्र में एसीटैल्डिहाइड (चयापचय का एक विषाक्त उपोत्पाद), ऑक्सीडेटिव तनाव और डीएनए की मरम्मत में व्यवधान का उत्पादन शामिल है। यहां तक कि मध्यम सेवन भी कुछ कैसर, विशेष रूप से महिलाओं में स्तन कैसर से जुड़ा हुआ है।

बुधवार, 11 जून 2025
कैसर का खतरा बढ़ जाता है। (<https://doi.org/10.1038/bjc.2014.579>)

हृदय संबंधी रोग: एक दोधारी तलवार। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बहुत कम, नियमित शराब का सेवन कुछ हृदय संबंधी स्थितियों के खिलाफ मामूली सुरक्षात्मक प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, अत्यधिक शराब पीने से उच्च रक्तचाप, स्ट्रोक और अल्कोहलिक कार्डियोमायोपैथी का जोखिम काफी बढ़ जाता है, जिससे हृदय विफलता हो सकती है। 'भारी शराब पीना' मध्यम शराब पीने वालों के लिए भी विशेष रूप से हानिकारक है, जिससे हृदय संबंधी समस्याओं का जोखिम काफी बढ़ जाता है।

(<https://doi.org/10.1186/s12916-014-0182-6>) मानसिक स्वास्थ्य: अदृश्य घाव। शराब के दुरुपयोग का मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा और हानिकारक प्रभाव पड़ता है। यह अवसाद और चिंता विकारों की शुरुआत और वृद्धि से जुड़ा हुआ है। शराब एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र अवसादक है। हालांकि यह शुरू में अस्थायी राहत या उत्साह प्रदान कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक उपयोग

न्यूरोट्रांसमीटर के संतुलन को बाधित करता है, जिससे मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन और बिगड़ा हुआ संज्ञानात्मक कार्य होता है। इसके अलावा, शराब के दुरुपयोग से आत्मघाती विचारों और सीधे आत्महत्या का जोखिम काफी बढ़ जाता है, क्योंकि इससे अक्सर व्यक्ति अपने व्यवहार पर नियंत्रण खो देते हैं और लापरवाह और दुखद कार्य करते हैं। (<https://onlinelibrary.wiley.com/doi/10.1111/j.1360-0443.2010.03351.x>)

अन्य महत्वपूर्ण जोखिम: विभिन्न प्रकार के नुकसान। शराब निर्णय और समन्वय को बाधित करती है, जिससे गिरने, दुर्घटनाओं और हिंसा से दुर्घटनाओं, चोटों और मौतों का जोखिम बढ़ जाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे व्यक्ति संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। लंबे समय तक उपयोग से परिधीय न्यूरोपैथी और वर्निक-कोर्साकॉफ सिंड्रोम सहित तंत्रिका संबंधी क्षति हो सकती है, जो स्मृति समस्याओं और भ्रम का कारण बनती है। शराब सामाजिक नुकसान भी पहुंचाती है, जैसे घरेलू हिंसा, पारिवारिक विघटन, वित्तीय अस्थिरता और काम करने की क्षमता में कमी। गर्भवती महिलाओं के लिए, यह भ्रूण शराब स्पेक्ट्रम विकार (FASD) का कारण बन सकता है, जो बच्चे में अपरिवर्तनीय विकलांगता का कारण बनता है।

निष्कर्ष:
कुरान और हदीस में वर्णित शराब पर इस्लामी प्रतिबंध को आधुनिक वैज्ञानिक निष्कर्षों के प्रकाश में देखा जाए तो यह केवल धार्मिक आदेश नहीं है; यह दूरदर्शिता और अंतर्दृष्टि को दर्शाता है। आस्था और विज्ञान के बीच यह सामंजस्य नशे के नुकसान से मुक्त, वास्तव में स्वस्थ और पूर्ण जीवन के लिए एक प्रेरक दर्शन प्रदान करता है। यह निःशुल्क है। आप अपने प्रश्न shakur.tisekar@gmail.com पर भेज सकते हैं। अगले सप्ताह फिर मिलेंगे!

कालेश्वरम परियोजना में अनियमितताओं की जांच तेज, न्यायिक आयोग के सामने पेश हुए पूर्व सीएम केसीआर

कालेश्वरम परियोजना मेदिगड्डा बैराज के कुछ घाटों के डूबने के बाद विवादों में घिर गई थी। माना जा रहा है परियोजना के निर्माण में अनियमितता बरती गई। मामले की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने बयान देने के लिए पूर्व सीएम केसीआर को तलब किया।

तेलंगाना में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार के दौरान कालेश्वरम सिंचाई परियोजना में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच तेज हो गई है।

बुधवार को बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की न्यायिक आयोग के सामने पेशी हुई। वे सुबह 11 बजे के बाद आयोग के कार्यालय पहुंचे। इस दौरान बीआरएस के कई नेता और कार्यकर्ता बीआरएस भवन में एकत्र हुए। यहां पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। आयोग पिछले लगभग एक साल में अनेक इंजीनियरों और अन्य अधिकारियों, विशेषकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से पूछताछ कर चुकी है।



इससे पहले नौ जून को केसीआर के भतीजे और बीआरएस विधायक टी हरीश राव और छह जून को भाजपा सांसद एटाला राजेंद्र से आयोग ने पूछताछ की थी।

यह भाजपा-कांग्रेस की साजिश: केटीआर केसीआर के बेटे केटीआर ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस बीआरएस के खिलाफ साजिश कर रही हैं। राव ने कहा कि राहुल गांधी और भाजपा इसमें साथ हैं। कालेश्वरम ऐसी परियोजना है, जिसमें 100 से अधिक घटक हैं। बैराज में लगे 85 खंभों में से दो क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मुझे लगता है यह कांग्रेस ने किसी शरारत के तहत किया है। मुझे यह उम्मीद है कि जल्द आयोग और अन्य राजनीतिक दलों को यह लगने लगेगा कि कुछ गलत नहीं हुआ था।

तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने हाल ही में कहा था कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित कालेश्वरम परियोजना को देश की सबसे बड़ी मानव निर्मित आपदा करार दिया है। क्या है कालेश्वर परियोजना बता दें कि कालेश्वरम परियोजना

तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा तैयार की गई डॉ. बी आर अंबेडकर प्राणहिता-चेवेल्ला सुजला श्रवणथी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीसीएसएस परियोजना) की एक शाखा है।

पिछले साल तेलंगाना की कालेश्वरम परियोजना पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने निराशाजनक रिपोर्ट पेश की थी। इसमें कहा गया है कि यह शुरू से ही आर्थिक रूप से किसी भी काम की नहीं थी।

खासकर पिछले साल मेदिगड्डा बैराज के कुछ घाटों के डूबने के बाद कालेश्वरम परियोजना विवादों में घिर गई है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने भी माना था कि मेडोगड्डा बैराज गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था।

जब तक इसे पूरी तरह से पुनर्निर्मित नहीं किया जाता तब तक यह बेकार हो जाएगा। हाल के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार का एक बड़ा कारण बैराज को हुए नुकसान को माना जा रहा है।

'ये हमारा फैसला नहीं है', कर्नाटक में फिर से जाति जनगणना कराने पर सीएम का चौंकाने वाला बयान



सिद्धारमैया सरकार में साल 2015 में भी जाति जनगणना कराई गई थी, लेकिन वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के दबाव में इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गई थी। 2015 की रिपोर्ट कैबिनेट में पेश होने से पहले ही लीक हो गई थी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि राज्य में जाति जनगणना कराने का फैसला उनकी सरकार का नहीं है बल्कि पार्टी नेतृत्व का है। मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि 'जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं। जाति जनगणना को हुए 10 साल बीत चुके हैं और अब यह पुराना हो गया है। ऐसे में जल्द ही फिर से जाति जनगणना कराई जाएगी।'

डिप्टी सीएम ने पारदर्शी तरीके से जाति जनगणना कराने की बात कही इससे पहले 10 जून को कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि जाति जनगणना फिर से कराई जाएगी क्योंकि कुछ समुदायों ने जाति जनगणना के आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। डीके शिवकुमार ने कहा कि जाति जनगणना के डेटा की सटीकता को लेकर कुछ चिंताएं उभरी हैं, जिसके बाद जाति जनगणना फिर से कराई जाएगी और घर-घर जाकर और ऑनलाइन सर्वे किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से होगी।

2015 की रिपोर्ट पर उठे सवाल शिवकुमार ने बताया कि 12 जून को होने वाली कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना की योजना पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ये भी कहा कि कर्नाटक सरकार एससी और एसटी समुदाय का बीते दो महीने से सर्वे करा रही है। जाति जनगणना में अभी लंबा समय लगेगा और इस पर अगली कैबिनेट बैठक में फैसला होगा।

गौरतलब है कि सिद्धारमैया सरकार में साल 2015 में भी जाति जनगणना कराई गई थी, लेकिन वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के दबाव में इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गई थी। 2015 की रिपोर्ट कैबिनेट में पेश होने से पहले ही लीक हो गई थी। वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के लोगों का आरोप है कि सिद्धारमैया सरकार में उनकी आबादी घटा दी गई।

'कोई रियायत नहीं दी जाएगी', सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की नाबालिग से दुष्कर्म के दोषियों की अपील

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दोषियों संजय पैकरा और पुष्पम यादव की अपील खारिज कर दी। पीठ ने दो दोषियों की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। आपने वैन चालक के साथ मिलकर एक नाबालिग स्कूली छात्रा का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म किया। हमें इसमें किसी



तरह की रियायत की जरूरत नहीं है। इसे खारिज किया जाता है। पीठ इस दलील से सहमत नहीं हुई कि लड़की की सहमति थी और जब उसे एकांत कारावास में रखा गया था। उस दौरान उसने कोई शोर नहीं मचाया। पीठ ने कहा कि वह नाबालिग है। यह साबित हो चुका है और अब किसी और बात की जरूरत नहीं है।

हाईकोर्ट ने 5 अगस्त, 2024 को

2019 के अपहरण और दुष्कर्म मामले में पैकरा, यादव और तीसरे आरोपी संतोष कुमार गुप्ता, स्कूल वैन चालक को सातवीं कक्षा की छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के अपराध के लिए दोषी ठहराते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने पांच अक्टूबर 2021 को तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने आजीवन कारावास के

अलावा उन पर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को युवा वकील के रवैये पर नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी अदालती कला सीखना नहीं चाहती। न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब एक युवा वकील आदेश लिखे जाने के दौरान लापरवाही से वहां से चली गई। वकील ने अदालत को बताया कि स्थगन के लिए एक पत्र प्रसारित किया गया है। जैसे ही पीठ ने आदेश सुनाना शुरू किया वकील वहां से जाने लगीं। इस पर नाराज होकर पीठ ने कहा कि युवा पीढ़ी अदालती कला सीखना नहीं चाहती।

लाइबेरियाई जहाज डूबने के मामले में कार्रवाई, लापरवाही पर मालिक-चालक दल और मास्टर के खिलाफ केस दर्ज



24 मई को कोच्चि तट से करीब 38 नॉटिकल मील दूर समुद्र में समुद्री ईंधन लेकर जा रहा लाइबेरिया का एक कंटेनर जहाज समुद्र में डूब गया था। जहाज में भरा ईंधन समुद्र में फैल गया था। अब मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। कोच्चि तट से कुछ दूर लाइबेरियाई जहाज डूबने के मामले में केरल पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने जहाज एमएससी एल्सा 3 के नौवहन में लापरवाही पर जहाज मालिक, मास्टर और चालक दल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भोले-भाले निवेशकों से 48000 करोड़ का धोखा, दागी संपत्तियों को बेदाग कर अपराध की आय से ऑस्ट्रेलिया में खरीद

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), दिल्ली जोनल कार्यालय ने अब मेसर्स पीएसीएल, उनके निदेशकों और अन्य के खिलाफ चल रही जांच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 17 मई को विशेष न्यायालय (पीएमएलए), नई दिल्ली के समक्ष आरोपी हरसतिंदर पाल सिंह हेयर और अन्य के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (एसपीसी) दायर की है।

भोले-भाले निवेशकों के साथ 48000 करोड़ रुपये का धोखा किया गया। दागी संपत्तियों को बेदाग कर अपराध की आय से ऑस्ट्रेलिया सहित कई जगहों पर अचल संपत्तियां में खरीदी गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), दिल्ली जोनल कार्यालय ने अब मेसर्स पीएसीएल, उनके निदेशकों और अन्य के खिलाफ चल रही जांच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम

(पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 17 मई को विशेष न्यायालय (पीएमएलए), नई दिल्ली के समक्ष आरोपी हरसतिंदर पाल सिंह हेयर और



अन्य के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (एसपीसी) दायर की है। उसी का संज्ञान विशेष न्यायालय (पीएमएलए) द्वारा 9 जून को लिया गया है। ईडी ने सीबीआई, बीएसएफसी, नई दिल्ली द्वारा आईपीसी, 1860 की धारा 120-बी और 420 के तहत मेसर्स पीएसीएल, मेसर्स पीजीएफ लिमिटेड, एनएस भंगू और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। वे निवेशकों को धोखा देने के लिए धोखाधड़ी वाली 48,000 करोड़ रुपये की निवेश योजनाओं के संचालन में शामिल थे।

बता दें कि स्वर्गीय एनएस भंगू के दामाद हरसतिंदर पाल सिंह को ईडी ने इस वर्ष 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे अभी तक न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि मेसर्स

पीएसीएल द्वारा एकत्र किए गए फंड को हरसतिंदर पाल सिंह हेयर द्वारा नियंत्रित मेसर्स एमडीबी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी इकाई में डायवर्ट किया गया था। इसका मकसद, फंड के अवैध स्रोत को छुपाकर दागी संपत्तियों को बेदाग संपत्तियों के रूप में पेश किया जा सके। साथ ही उनका दावा किया जा सके।

इसके अलावा, मुंबई, पंजाब, हरियाणा में स्थित कई अचल संपत्तियों को 2011-2014 की अवधि के दौरान मेसर्स पीएसीएल द्वारा भोले-भाले निवेशकों से एकत्र किए गए फंड से हरसतिंदर पाल सिंह हेयर ने अपने नाम पर खरीदा था।

यह अपराध की आय (पीओसी) के अलावा और कुछ नहीं था। इस तथ्य के बावजूद कि ये संपत्तियां

पीओसी से खरीदी गई थीं, हरसतिंदर पाल सिंह हेयर ने जानबूझकर इन संपत्तियों को अपने पास रखना, उपयोग करना, दावा करना और अपने नाम पर बेदाग संपत्तियों के रूप में पेश करना जारी रखा।

पीएमएलए जांच के दौरान, यह पाया गया कि मेसर्स पीएसीएल की कई सहयोगी कंपनियों में निदेशक हरसतिंदर पाल सिंह हेयर, जिसमें ऑस्ट्रेलिया में मेसर्स पल्स ऑस्ट्रेलेशिया प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स ऑस्ट्रेलेशिया मिराज आई-प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं, ने विदेशों में 657.18 करोड़ रुपये के अवैध हस्तांतरण और धन की पैकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन पीओसी का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया में अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया। इन कुर्क संपत्तियों का ब्योरा सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति लोढ़ा समिति को संपत्ति के निपटान और प्रभावित निवेशकों को प्रतिपूर्ति के लिए सौंप दिया गया है। इसके अलावा, ईडी ने पहले ही मेसर्स पीएसीएल, एनएस भंगू और अन्य के खिलाफ मामले में दो अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं।

केरल तट के पास जल रहे जहाज में आग बुझाने की कोशिश जारी, चीन ने नौसेना को कहा धन्यवाद



जहाज पर करीब 650 कंटेनर लदे थे, जिनमें से कई कंटेनर समुद्र में गिर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तेजी से आग धधक रही है, उसकी वजह जहाज के कंटेनर्स में कोई खतरनाक ज्वलनशील रसायन हो सकता है। फिलहाल जहाज के मालिकों से कंटेनर्स में रखे सामान की जानकारी मांगी गई है।

केरल तट के नजदीक जल रहे सिंगापुर के झंडे वाले जहाज की आग बुझाने की कोशिश आज भी जारी है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत ने क्रू के 18 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। वहीं क्रू के चार सदस्य अभी भी लापता हैं। जहाज में रविवार को आग लगी थी और मंगलवार को भी नौसेना, तटरक्षक बलों द्वारा संयुक्त और समन्वित बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

बचाव अभियान में जुटे तटरक्षक बल और नौसेना के जहाज भारतीय तटरक्षक बल के जहाज सचेत और समुद्र प्रहरी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं। तटरक्षक बल का डोनियर एयरक्राफ्ट बचाव अभियान का हवाई सर्वे कर रहा है। साथ ही मंगलवार को तटरक्षक बल का जहाज समर्थ भी बचाव अभियान में शामिल हो गया है। सोमवार को केरल तट से करीब 44 नॉटिकल मील दूर सिंगापुर का कंटेनर जहाज हादसे का शिकार हुआ था। दरअसल कोलंबो से मुंबई जा रहा सिंगापुर का ध्वज लगा जहाज MV Wan Hai 503 अचानक आग की लपटों में घिर गया। आग के चलते जहाज में तेज विस्फोट हुआ।

जहाज पर करीब 650 कंटेनर लदे थे, जिनमें से कई कंटेनर समुद्र में गिर चुके हैं। माना जा रहा है कि जिस तेजी से आग धधक रही है, उसकी वजह जहाज के कंटेनर्स में कोई खतरनाक ज्वलनशील रसायन हो सकता है। फिलहाल जहाज के मालिकों से कंटेनर्स में रखे सामान की जानकारी मांगी गई है।

क्रू के दो सदस्यों की हालत गंभीर नौसेना के जहाज आईएनएस सूरत से जहाज पर मौजूद 18 क्रू सदस्यों को बचाया गया है। कुछ क्रू सदस्य घायल हैं और उनमें से दो की हालत गंभीर है। चार अन्य को हल्की चोटें हैं। क्रू सदस्यों को मंगलुरु बंदरगाह पर लाया गया है। घायलों का कुंतीकाना के एजे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गोवा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने वापस लिया आंदोलन, स्वास्थ्य मंत्री राणे मांग चुके हैं माफी

गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) के डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हस्तक्षेप के बाद स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के खिलाफ आंदोलन वापस ले लिया है। बता दें कि, मंत्री ने अस्पताल में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाकर एक वरिष्ठ डॉक्टर रुद्रेश कुट्टिकर को निलंबित कर दिया था। गोवा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) के डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हस्तक्षेप के बाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन वापस ले लिया। अधिकारियों ने



यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सुबह सरकारी अस्पताल (जीएमसीएच) गए और प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगें पूरी की जाएंगी। राणे ने जीएमसीएच के औचक निरीक्षण के दौरान कथित रूप से मरीजों के

साथ बदसलूकी करने को लेकर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. रुद्रेश कुट्टिकर को फटकार लगाई थी और उनके निलंबन का आदेश दिया था।

इसके बाद से वह मेडिकल बिरदारी की नाराजगी का सामना

कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सावंत ने रविवार को विवादास्पद निर्णय को रद्द कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की।

मंत्री राणे ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से डॉक्टर से माफी मांगी।

हालांकि, प्रदर्शनकारी इससे खुश नहीं थे और उन्होंने मांग की थी कि मंत्री डॉ. कुट्टिकर से व्यक्तिगत रूप से माफी मांगें। मंगलवार को सावंत ने गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जीएआरडी) के प्रतिनिधियों, जीएमसीएच के डीन डॉ. शिवानंद बांदेकर और सरकारी अस्पताल के अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

'धर्म नहीं, ओबीसी का दर्जा तय करने के लिए पिछड़ापन ही एकमात्र मानदंड, CM ममता बनर्जी का बड़ा बयान



पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पेश की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछड़ापन ही लोगों के ओबीसी दर्जे को तय करने का एकमात्र मानदंड है, धर्म नहीं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को ओबीसी दर्ज तय करने को लेकर बड़ा बयान दिया।

रणवीर शौरी ने जिस रिश्ते की तरफ साल भर पहले किया इशारा, अब जाकर कोंकणा को मिल गया वो किनारा



45 साल की अभिनेत्री कोंकणा सेनशर्मा और 38 साल के अभिनेता अमोल पाराशर के बीच के रिश्ते को लेकर जो भी खबरें आ रही हैं, उनके पीछे की असलियत जानने के लिए इन दिनों हिंदी फिल्म जगत से जुड़ा हर शख्स बेचैन है। लेकिन, किसी को भी ये ध्यान नहीं है कि ये सब कोंकणा और अमोल की पिछली फिल्म 'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे' के समय से चला आ रहा है। दोनों के रिश्ते पर खुद कोंकणा के पूर्व पति रणवीर शौरी तक मोहर लगा चुके हैं।

दरअसल, अमोल पाराशर चाहते रहे हैं कि किसी तरह उनकी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' की हर तरफ चर्चा होती रहे और पांच साल पहले अभिनेता रणवीर शौरी से तलाक ले चुकी कोंकणा सेनशर्मा की नई फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के निर्माता भी कुछ कुछ ऐसा ही चाह रहे हैं। ऐसे में अमोल और कोंकणा अपने कथित 'अफेयर' की खबरों के खुद ही खूब मजे रहे हैं। ये खबरें लंबे अरसे से हिंदी फिल्म जगत में तैरती रही हैं और सूत्र बताते हैं कि इनको अमोल की पीआर टीम ही

खूब हवा देती रही है। अमोल ने तो इस बारे में गजब की साफगोई दिखाते हुए ये तक कह दिया, "लोग अगर लिंक अप की खबरें ही चटखारे लेकर पढ़ना चाहते हैं तो मैं क्या कर सकता हूँ? इस तरह की खबरों के व्यूज भी भर भरकर आते हैं।" शादी की बात पर अमोल पहले भी कई बार खुलकर बात कर चुके हैं कि इस बारे में अब उनके घरवालों ने भी दबाव बनाना बंद कर दिया पर पता नहीं बाहरवाले उनकी शादी को लेकर इतना क्यूंचितित रहते हैं। अमोल का मानना रहा है कि शादी योजना बनाकर नहीं हो सकती, ये जब होनी होगी तब हो ही जाएगी। वह कहते हैं, "इसमें इतना तूफान खड़ा करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं भी चाहता हूँ कि जिंदगी मुझे कदम कदम पर चौंकाती रहे। और, जैसे ही ऐसी कोई चौंकाणा वाली बात मेरे जीवन में होगी, मैं भी इसका एलान सोशल मीडिया पर कर ही दूंगा।" वेब सीरीज 'ग्राम

चिकित्सालय' के अलावा अमोल इन दिनों सोनी लिव की वेब सीरीज 'कुल: द लेगेसी ऑफ रायसिंघ' में भी नजर आ रहे हैं। साल 2009 में यशराज फिल्म रणवीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने वाले अमोल को अब भी बड़े परदे पर एक ऐसे किरदार की तलाश है, जो उनका नाम घर घर तक पहुंचा दे। वहीं, कोंकणा सेनशर्मा पिछले साल रिलीज वेब सीरीज 'किलर सूप' के बाद एक और दमदार किरदार ओटीटी के लिए करने की इच्छुक रही हैं। अमोल से अपने रिश्ते पर उन्होंने अभी तक सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा है। कोंकणा और अमोल की पिछली फिल्म 'डॉली किट्टी और वो चमकते सितारे' के समय भी दोनों के अफेयर की खबर फैली थी, और तब एक वायरल पोस्ट पर रणवीर शौरी ने भी अपनी स्वीकृति की मोहर लगाई थी।

इंग्लैंड दौरे पर श्रेयस की अनदेखी से भड़के सौरव गांगुली, चयनकर्ताओं को लताड़ा; कहा- मैं होता तो..



पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली का मानना है कि श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें मौका मिलना चाहिए। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी। आगामी सीरीज के लिए भारतीय टीम इंग्लैंड पहुंच चुकी है और जमकर अभ्यास कर रही है। सौरव गांगुली ने रेवस्पोर्ट्स को दिए एक इंटरव्यू में श्रेयस अय्यर की अनदेखी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा- पिछले एक साल से वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा रहे हैं और उन्हें इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उनके लिए शानदार रहा है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें टीम से बाहर रखा गया। वह अब दबाव में रन बना रहे हैं, जिम्मेदारी ले रहे हैं और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहे हैं। हालांकि टेस्ट क्रिकेट अलग है, लेकिन मैं उन्हें इस सीरीज में शामिल करना चाहता था ताकि देख सकूँ कि वह क्या कर सकते हैं।

पिछले साल इस प्रारूप में खेलते दिखे थे श्रेयस अय्यर

आगामी सीरीज के लिए चुने गए 18 सदस्यीय स्क्वाड में श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किया गया है। 30 वर्षीय बल्लेबाज ने अब तक भारत के लिए 14 टेस्ट मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 811 रन बनाए। उन्हें आखिरी बार इस प्रारूप में इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल खेलते देखा गया था, जब टीम भारत दौरे पर आई थी।

रणजी और आईपीएल में चमके अय्यर

दाएं हाथ के बल्लेबाज ने रणजी ट्रॉफी 2024-25 में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने मुंबई के लिए सात पारियों में 68.57 की औसत से दो शतकों के साथ 480 रन बनाए थे। आईपीएल की बात करें तो उन्होंने पंजाब किंग्स का नेतृत्व करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सके। आरसीबी ने पंजाब को छह रन से हराकर फाइनल मुकाबला अपने नाम किया था और ट्रॉफी जीती थी। इस सीजन श्रेयस का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 17 मैचों में 604 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह अर्धशतक

इस दिन रिलीज हो रहा है टीवी का आइकॉनिक शो, ये सीनियर एक्टर करेगा कैमियो



आठ साल तक चला था। इस सीरियल ने टीआरपी के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। नए सीजन में भी पुराने सीरियल की कास्ट नजर आ सकती है। जानिए, कब टीवी पर दर्शक इस सीरियल को देख पाएंगे? और कौन सा नामी बॉलीवुड एक्टर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में कैमियो करने वाला है। साल 2000 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' 3 जुलाई को लॉन्च किया गया था। ऐसे में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसी दिन फिर से सीजन 2 भी रिलीज हो सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 3 जुलाई 2025 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' की रिलीज डेट होगी। इस सीरियल को एकता कपूर प्रोड्यूस करती हैं। खबर है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में एकता कपूर के पिता और बॉलीवुड के नामी एक्टर जितेंद्र एक कैमियो रोल में नजर आएंगे।

दक्षिण अफ्रीका की नजरें पहले आईसीसी खिताब पर, सामने ऑस्ट्रेलिया की कटिन चुनौती

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 आखिरकार अपने अंजाम तक पहुंचने वाला है। इस चक्र के फाइनल की शुरुआत बुधवार 11 जून से होने जा रही है। फाइनल लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया का सामने मजबूत इरादे वाले दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी जो खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए बेकरार है। ऑस्ट्रेलिया इकलौती टीम है जिसने आईसीसी की चारों ट्रॉफी (वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, टी20 विश्व कप और डब्ल्यूटीसी) जीती है। किसी आईसीसी टूर्नामेंटों के फाइनल में उन्हें हारना और मुश्किल होता है। टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में 13 बार फाइनल में पहुंची है और इसमें से 10 बार खिताब जीतने में सफल रही है। दक्षिण अफ्रीका की टीम अहम मैचों में जीत के करीब पहुंच कर फिसलने के लिए जानी जाती है और इस वजह से उन्हें 'चोकर्स' नाम दिया गया है। टीम ने अब तक आईसीसी का सिर्फ एक टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका की इस टीम में अनुभव और



युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और टीम तटस्थ स्थल पर खेले जाने वाले इस मैच को जीत कर 'चोकर्स' के तमगसे पीछा छुड़ाना चाहेगी। टीम ने डब्ल्यूटीसी के 2023-25 चक्र में सबसे ज्यादा 30 खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया। इसमें से ज्यादातर खिलाड़ी सही समय पर रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले निकले। टीम लगातार सात टेस्ट में जीत के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने के लिए तैयार है। उसने टिकट पक्का कर लिया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती पारी का आगाज करने के लिए उस्मान ख्वाजा के साथी को तय करने की होगी। टीम के पास भारत के खिलाफ पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले अंतिम एकादश से डेविड वार्नर को



छोड़कर बाकी के 10 खिलाड़ी मौजूद हैं। मध्यम गति के गेंदबाज जोश हेजलवुड उस मैच को चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। वह हालांकि उस टीम में शामिल रहे स्कॉट बोलैंड की जगह लेने के लिए तैयार है। हेजलवुड ने कंधे की चोट से उबरते हुए पिछले सप्ताह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आईपीएल में 12 मैचों में 22 विकेट लेकर दमदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वॉर्नर की जगह लेने वाले का फैसला अब भी नहीं हुआ है। 19 साल के सैम कोंस्टास ने भारत के खिलाफ आक्रामक तैवर से प्रभावित किया लेकिन लेकिन फरवरी में श्रीलंका में ट्रेविस हेड ने इस भूमिका को निभाया। माना जा रहा कि हेड एक बार भी इस भूमिका में दिखेंगे।

टीम के लिए मध्यक्रम में मार्नस लाबुशेन की फॉर्म चिंता की विषय है लेकिन हरफनमौला कैमरून ग्रीन ने सर्जरी से वापसी करते हुए काउंटी क्रिकेट में ग्लूस्टरशर का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन शतक जड़ कर शानदार वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में अनुभव की कोई कमी नहीं है। टीम में ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक शीर्ष 10 विकेट लेने वालों में से चार गेंदबाज शामिल हैं। इसमें नाथन लियोन (553, तीसरे), मिशेल स्टार्क (382, चौथे), कप्तान पैट कर्मिस (294, आठवें) और हेजलवुड (279, 10वें) का नाम है। स्मिथ 36 साल के हो जाएंगे और उन्होंने मार्च के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। यही हाल कोंस्टास, सलामी बल्लेबाज ख्वाजा, लियोन, बोलैंड और विकेटकीपर एलेक्स कैरी का भी है। स्मिथ ने हालांकि पिछले पांच टेस्ट मैचों में चार शतक जड़े हैं और उन्होंने 10,000 रनों का आंकड़ा भी पार कर लिया है। यह आंकड़ा दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम के रनों के लगभग बराबर है। लॉर्ड्स उनका औसत 58 के आसपास का है।

हड्डियां कमजोर होने के काफी हद तक हम खुद हैं जिम्मेदार, कैसे? इसके लक्षण भी जानिए

शरीर को स्वस्थ रखने में हड्डियां अहम भूमिका निभाती हैं। हड्डियों की मजबूती का ख्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना दिल या दिमाग का। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, हड्डियां कमजोर होने पर कई बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। बता दें, कमजोर हड्डियों के कारण जोड़ों में दर्द अर्थराइटिस आदि की समस्या होने लगती है। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की समस्या होने लगती है। लेकिन, आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, खराब खानपान और गलत आदतों की वजह से हड्डियां तेजी से कमजोर

होती जा रही हैं। जब तक समस्या बढ़ती नहीं, तब तक हम इसे नजरअंदाज करते रहते हैं। ऐसे में हड्डियों की कमजोरी को पहचानना और गलतियों से बचना बेहद जरूरी है। ऐसे में आइए जानते हैं किन कारणों से हड्डियां कमजोर होती हैं और इसके क्या लक्षण होते हैं? किन कारणों से हड्डियां कमजोर होती हैं जानिए एक्सपर्ट्स की राय: डॉ. अंजलि उप्पल का कहना है कि, बहुत से लोग सेहत के अन्य अंगों के लिए जागरूक रहते हैं, लेकिन बोनस यानी हड्डियों के प्रति उतने गंभीर नहीं हो पाते हैं, छोटी-छोटी



गलतियों की वजह से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। हड्डियों और जोड़ों में लगातार दर्द रहता है तो यह कई समस्याओं का संकेत हो सकता है। क्या हैं हड्डियां

कमजोर होने के कारण जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन डॉ. अंजलि उप्पल के अनुसार, आजकल बच्चों से लेकर बड़ों तक में जंक फूड का क्रेज बहुत

बढ़ गया है। बता दें, कोल्ड ड्रिंक्स में फॉस्फोरिक एसिड होता है, जो शरीर में कैल्शियम की कमी कर देता है। आपको बता दें, इसके अलावा, अधिक नमक और प्रोसेस्ड फूड भी हड्डियों की दुश्मन बनती हैं। अगर आप चाहते हैं कि ताउम्र आपकी हड्डियां मजबूत हो तो ज्यादा जंक फूड और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन करने से बचें। कैल्शियम और विटामिन D की कमी जैसा कि आप जानते हैं कि हड्डियों की मजबूती के लिए सबसे जरूरी पोषक तत्व हैं कैल्शियम और विटामिन D. अगर आपकी डाइट में दूध, दही, पनीर, हरी

सब्जियां, बादाम जैसे फूड्स की कमी है, तो आपकी हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं। विटामिन-D की कमी सूरज की रोशनी न लेने से होती है। इसलिए डॉक्टर हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ खाने की सलाह देते हैं। उम्र और हार्मोनल बदलाव महिलाओं में मेनोपॉज के बाद हड्डियों की कमजोरी आम समस्या है। उम्र के साथ-साथ शरीर में हार्मोनल बदलाव आते हैं, जिससे बोन डेंसिटी कम होने लगती है। पुरुषों में भी उम्र बढ़ने के साथ हड्डियां कमजोर होने लगती हैं।

'आतंकवाद एक दिन आपको भी नुकसान पहुंचाएगा...', पाकिस्तान को लेकर जयशंकर की पश्चिमी देशों को फिर दो टूक

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में जो टकराव हुआ, वह केवल दो पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई थी और यही आतंकवाद एक दिन पश्चिमी देशों को भी नुकसान पहुंचाएगा। यह बात उन्होंने एक यूरोपीय समाचार वेबसाइट को बुधवार को दिए इंटरव्यू में कही। उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की भी पैरवी की और कहा कि भारत कुशल श्रमिक और चीन की तुलना में अधिक भरोसेमंद आर्थिक साझेदारी प्रदान करता है।

पाकिस्तान में खुद को सुरक्षित महसूस करता रहा बिन लादेन जयशंकर ने कहा, 'मैं आपको कुछ याद दिलाना चाहता हूं, एक व्यक्ति था ओसामा बिन लादेन। सोचिए, वह आखिर क्यों पाकिस्तान के एक सैन्य कस्बे में उसकी सैन्य अकादमी के ठीक बगल में वर्षों तक खुद को महसूस करता रहा?' पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के एक महीने के बाद जयशंकर यूरोप के दौर पर



हैं। उनसे भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में चार दिन तक चले संघर्ष के बारे में पूछा गया था। पश्चिमी मीडिया की भी आलोचना की उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि दुनिया यह समझे कि यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद से जुड़ा मुद्दा है और वहीं आतंकवाद एख दिन आप लोगों (पश्चिमी देशों) के लिए भी समस्या बन जाएगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मीडिया की आलोचना करते हुए कहा कि मीडिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को केवल दो परमाणु संपन्न पड़ोसियों की प्रतिक्रिया के रूप में दिखाया, जबकि यह असल में आतंकवाद के खिलाफ एक कार्रवाई थी। पहलगाम आतंकी हमले में हुई थी 22 लोगों की मौत

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इस हमले के जवाब में भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। यह सैन्य संघर्ष चार दिन तक चला था। 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी। 'जंग के मैदान से नहीं निकलेगा समाधान' जब जयशंकर से पूछा गया कि भारत रूस पर पश्चिमी देशों द्वारा

लगाए गए प्रतिबंधों में शामिल क्यों नहीं हुआ, तो उन्होंने कहा कि भारत युद्ध को किसी समस्या का हल नहीं मानता। उन्होंने कहा, हम नहीं मानते कि युद्ध के जरिए मतभेदों को सुलझाया जा सकता है। हमें नहीं लगता कि समाधान जंग के मैदान से आएगा। यह हमारा काम नहीं है कि हम किसी समाधान को थोपें। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि हम न तो किसी पर अपनी राय थोप रहे हैं, न ही किसी की निंदा कर रहे हैं। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि हम पूरी तरह अलग-थलग हैं। 'भारत के यूक्रेन के साथ भी मजबूत संबंध' उन्होंने कहा कि भारत के यूक्रेन के साथ भी मजबूत संबंध हैं। यह सिर्फ रूस तक सीमित नहीं हैं। लेकिन हर देश अपने अनुभव, इतिहास और हितों के आधार पर निर्णय करता है। उन्होंने आगे कहा, भारत की सबसे पुरानी शिकायत यही रही है कि हमारी सीमाओं का उल्लंघन (देश की) आजादी के कुछ ही महीनों बाद हुआ, जब पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ करवाई और उस वक्त जो देश सबसे ज्यादा पाकिस्तान के साथ थे, वे पश्चिमी देश थे।

राष्ट्रपति ट्रंप बोले- चीन के साथ हमारा समझौता हो गया है; लंदन में बातचीत के बाद हुआ समझौता



अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार को लेकर एक डील हो गई है। यह समझौता लंदन में दो दिनों तक चली गहन बातचीत के बाद हुआ है, जिसे अब केवल ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टूथ सोशल पर लिखा - 'हमारा चीन के साथ सौदा हो गया है, जो शी और मेरी अंतिम मंजूरी के अधीन है। चीन की ओर से सभी जरूरी रेयर अर्थ मिनरल्स (दुर्लभ खनिज) पहले से ही सप्लाई किए जाएंगे। इसी तरह, अमेरिका चीन को वह सब कुछ देगा, जो तय हुआ है - जिसमें चीनी छात्रों को हमारे कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों में पढ़ने की इजाजत देना भी शामिल है (जो मुझे हमेशा ठीक लगा है)। रिश्ता शानदार है! धन्यवाद!' चीन अमेरिका को जरूरी रेयर अर्थ मिनरल्स देगा, जो टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी होते हैं। अमेरिका चीनी छात्रों को देगा उच्च शिक्षा की इजाजत, जिससे हजारों छात्र फिर से अमेरिकी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर सकेंगे। अमेरिका लगाएगा 55% टैरिफ (आयात शुल्क), जबकि चीन लगाएगा केवल 10% टैरिफ, यानी अमेरिका को व्यापारिक लाभ मिलने की बात ट्रंप ने कही है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच लंदन में दो दिनों तक व्यापार पर चर्चा हुई थी, जिसके बाद एक ढांचे पर सहमति बनी। हालांकि इस समझौते की पूरी जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। इससे पहले जिनेवा में हुई बातचीत के दौरान दोनों देशों ने 90 दिनों के लिए टैरिफ पर रोक लगाने की घोषणा की थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी को 2015 में आग में मारे गए 8 युवकों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये देने का आदेश दिया

2015 में होटल सिटी किनारा में लगी एक दुखद आग में 8 युवाओं की मौत हो गई थी, जिनमें से अधिकांश 18-20 वर्ष की आयु के छात्र थे, जो अवैध रूप से निर्मित मेजेनाइन फ्लोर पर भोजन कर रहे थे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 2015 में मुंबई के एक भोजनालय में लगी आग में मारे गए आठ युवा वयस्कों के परिवारों को मुआवजे के रूप में 50 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। न्यायालय ने माना है कि नागरिक निकाय की घोर लापरवाही त्रासदी का निकटतम कारण थी। रेखा पी थापर और अन्य बनाम महाराष्ट्र राज्य। न्यायमूर्ति बीपी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरोजस पी पूनीवाला की खंडपीठ ने सोमवार को पीड़ितों के माता-पिता और आश्रितों द्वारा दायर रिट याचिका को स्वीकार कर लिया और लोकायुक्त के उस पहले के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें उनके द्वारा किए गए मुआवजे के दावों को खारिज कर दिया गया था। न्यायालय ने कहा, "यदि प्रतिवादी संख्या 2 (नगर निगम) ने अग्नि सुरक्षा उल्लंघनों पर कार्रवाई करके अपने वैधानिक कर्तव्यों का

तुरंत निर्वहन किया होता और एमएमसी अधिनियम की धारा 479 के तहत किनारा (भोजनालय) का लाइसेंस रद्द कर दिया होता, एमएमसी अधिनियम की धारा 394 के तहत एलपीजी सिलेंडर जब्त कर लिए होते और ग्राहकों को परोसने के लिए लॉफ्ट एरिया/मेजेनाइन फ्लोर के इस्तेमाल पर रोक लगाई होती, तो निश्चित रूप से आग नहीं लगती।" यह मामला 16 अक्टूबर, 2015 को कुर्ला के होटल सिटी किनारा में लगी एक दुखद आग से उपजा है, जहाँ आठ युवा वयस्क, जिनमें से ज्यादातर 18-20 वर्ष की आयु के छात्र थे, अवैध रूप से निर्मित मेजेनाइन फ्लोर पर भोजन करते समय मारे गए थे। मेजेनाइन फ्लोर एक मध्यवर्ती फ्लोर होता है जो किसी इमारत की मुख्य मंजिलों के बीच बनाया जाता है। इससे आग लगने का खतरा बढ़ सकता है, क्योंकि ऐसे क्षेत्र में लगी कोई भी आग मेजेनाइन स्तर से नीचे और ऊपर दोनों मंजिलों में तेजी से फैल सकती है। मेजेनाइन फ्लोर का अंतर्निहित डिजाइन निकास मार्गों की संख्या को भी सीमित कर सकता है, जो आग लगने की स्थिति में



संभावित जोखिमों को भी बढ़ाता है। इस मामले में, जाँच से पता चला था कि भोजनालय अनिवार्य अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र के बिना चल रहा था, अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए लॉफ्ट में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर संग्रहीत कर रहा था, और नगर निगम से बार-बार चेतावनी और निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त की थी, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया। 2012 से 2015 के बीच, बीएमसी के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किए गए कई निरीक्षणों में गंभीर उल्लंघन दर्ज किए गए, जिनमें खाना पकाने के लिए बिना लाइसेंस वाले स्थानों का उपयोग, आग की अनुमति का अभाव और अनुचित एलपीजी भंडारण शामिल है। पुलिस

और सहायक आयुक्त को की गई शिकायतों में सिलेंडर विस्फोट के जोखिम की भी चेतावनी दी गई। फिर भी, नगर निकाय ने मुंबई नगर निगम अधिनियम (एमएमसी अधिनियम) के तहत रेस्तरां का लाइसेंस रद्द करने या सुरक्षा अनुपालन लागू करने में विफल रहा। यहां तक कि आग लगने से ठीक 44 दिन पहले एक रिपोर्ट में भी मेजेनाइन फ्लोर का इस्तेमाल खाने के लिए किए जाने की पुष्टि की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उच्च न्यायालय के समक्ष, पीड़ितों के परिवारों ने तर्क दिया कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों को लागू करने में बीएमसी की अधिक सावधानी बरतने की जिम्मेदारी है। किनारा का लाइसेंस रद्द करने या एलपीजी

सिलेंडर जब्त करने में नगर निकाय की विफलता महज लापरवाही नहीं थी, बल्कि वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन था, जिसके कारण सीधे तौर पर मौतें हुईं। उन्होंने लापरवाही के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण के दायित्व पर सर्वोच्च न्यायालय के उदाहरणों का हवाला दिया और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकारों के उल्लंघन के लिए अनुकरणीय हर्जाना मांगा। बीएमसी ने दावा किया कि पूरी तरह से दोष रेस्तरां संचालकों का है। इसने कहा कि मुआवजे के दावों का फैसला सिविल मुकदमों के माध्यम से किया जाना चाहिए। इसने यह भी तर्क दिया कि सीमित जनशक्ति ने इसकी प्रवर्तन क्षमता को बाधित किया है। इन बचावों को खारिज करते हुए, न्यायालय ने कहा, "हमारे विचार में, यह न केवल किनारा के मालिक और संचालक द्वारा बल्कि प्रतिवादी संख्या 2 (बीएमसी) द्वारा भी बिना किसी अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किए किनारा को भोजनालय लाइसेंस जारी करके भोजनालय लाइसेंस जारी करके किए गए सबसे गंभीर उल्लंघनों में से एक था।" न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि बीएमसी की

लापरवाही न केवल गंभीर थी बल्कि मौतों से कारणात्मक रूप से जुड़ी हुई थी। रत्नेकिन इसके लिए परीक्षण लागू करते हुए, न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला: "हमारे विचार में, यदि प्रतिवादी संख्या 2 (बीएमसी) ने उपरोक्त उल्लंघनों के लिए किनारा के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की होती, तो एलपीजी सिलेंडर लॉफ्ट क्षेत्र/मेजेनाइन फ्लोर में संग्रहीत नहीं होते और आग नहीं लगती, और किसी भी घटना में, कोई जान-माल का नुकसान नहीं होता।" यह देखते हुए कि रिट क्षेत्राधिकार में मुआवजे का उद्देश्य मौलिक अधिकारों की रक्षा करना है, न कि केवल आर्थिक नुकसान की गणना करना, न्यायालय ने माना कि उचित राशि प्रति पीड़ित 50 लाख रुपये है, जिसमें आयु, शिक्षा, भविष्य की संभावनाएं और 2015 से मुद्रास्फीति को भी शामिल किया गया है। बीएमसी को इस मामले में 12 सप्ताह का समय दिया गया है, अन्यथा उसे 9 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज देना होगा। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बीएमसी कानून के अनुसार अन्य जिम्मेदार पक्षों से यह राशि वसूल सकती है।

मनपा सी वार्ड तथा एलटी मार्ग पुलिस नहीं मानते बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश क्या ?



मुंबई: फेरीवालों की बड़ी समस्या खड़ी है और फेरीवालों से आने जाने की मुसीबत खड़ी है यही हाल है मुंबादेवी - शेखमेमन स्ट्रीट - खाऊं गली - दादीसेठ अग्यारी लेन यह सब ना फेरीवाला जोन है उसके बावजूद यहां पर फेरीवालों की वजह से आने जाने का रास्ता ही नहीं है विगत कई महीनों से एलटी मार्ग पुलिस के सीनियर नितिन तड़ाके इन फेरीवालों पर कड़क कार्यवाही कर रहे हैं, मनपा सी वार्ड



का अतिक्रमण विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है जबकि फेरीवालों को हटाने का आदेश कोर्ट का है उसके बावजूद मनपा सी वार्ड कोई कार्यवाही नहीं करता है ज्ञात हो कि जब इसकी शिकायत एलटी मार्ग पुलिस को की जाती है तो पुलिस का कहना है कि यह काम मनपा सी वार्ड का है जब फेरीवालों को हटाने का काम मनपा सी वार्ड का है तो फिर

- मनपा सी वार्ड का काम कर रही है एलटी मार्ग पुलिस
- धनजी स्ट्रीट-3री अग्यारी लेन 2अग्यारी लेन-शेखमेमन स्ट्रीट सब ना फेरीवाला जोन में फेरीवालों का आतंक
- मनपा सी वार्ड सिर्फ हफ्ता बढ़ाने का काम करती है -कार्यवाही जीरो %यह सारा काम रवि जाधव की देखरेख में होता है।

एलटी मार्ग पुलिस कार्यवाही क्यों करती है यही विडंबना है इसलिये मनपा आयुक्त ना फेरीवाला जोन से अवैध फेरीवालों को हटाने का आदेश मनपा सी वार्ड को दे। अब देखना यह है कि धनजी स्ट्रीट,

मुंबादेवी रोड, जवेरी बाजार, शेखमेमन स्ट्रीट, 3री अग्यारी लेन नाश्ता गली यहां के अवैध फेरीवालों को हटाती है यह फिर पुलिस तथा मनपा सी वार्ड की जुगलबंदी चलती रहेगी